

## मुख्य परीक्षा

### AMRUT मिशन पर संसदीय समिति की रिपोर्ट

#### संदर्भ

एक स्थायी समिति ने लोकसभा में अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन(AMRUT) पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

#### AMRUT मिशन के बारे में -

- 25 जून, 2015 को शुरू की गई, AMRUT भारत सरकार की एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- इसका उद्देश्य चयनित शहरों और कस्बों में शहरी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है।
- यह योजना समावेशिता और स्थिरता पर जोर देते हुए जल आपूर्ति, सीवरेज, शहरी परिवहन और हरित क्षेत्रों जैसी बुनियादी नागरिक सुविधाओं को उपलब्ध कराने पर केंद्रित है।

#### संसदीय समिति द्वारा प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला गया -

- **वित्तपोषण और वित्तीय क्षमता संबंधी बाधाएँ:** शहरी जल अवसंरचना के लिए अपर्याप्त वित्तपोषण और संचालन एवं रखरखाव (O&M) सहायता की कमी, साथ ही वैकल्पिक वित्तपोषण का सीमित उपयोग।
- **धीमी गति से कार्यान्वयन:** AMRUT 2.0 के तहत, लगभग ₹1.90 लाख करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी मिलने के बावजूद, भौतिक रूप से पूर्ण होने की गति लगभग ₹48,050 करोड़ ही है।
- **कमजोर संस्थागत ढांचा:** शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) की सीमित भूमिका और परियोजना कार्यान्वयन में अर्ध-सरकारी एजेंसियों पर अत्यधिक निर्भरता।
- **एकीकृत योजना का अभाव:** एकीकृत जल प्रबंधन और दीर्घकालिक शहरी जल रणनीतियों का अभाव।
- **डेटा और निगरानी में कमियाँ:** जल कवरेज, गैर-राजस्व जल(NRW), मीटरिंग और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग पर खराब रिपोर्टिंग।
- **अनुपचारित सीवेज की चुनौती:** शहरी भारत लगभग 48,004 एमएलडी सीवेज उत्पन्न करता है, जबकि स्थापित उपचार क्षमता केवल लगभग 30,001 एमएलडी (2021) है।

#### संसदीय पैनल की प्रमुख सिफारिशें -

- **वित्तपोषण में वृद्धि:** केंद्र और बहुपक्षीय वित्तपोषण सहायता बढ़ाना, विशेष रूप से कम सेवा प्राप्त क्षेत्रों के लिए।
- **अभिनव वित्तपोषण:** सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को बढ़ावा देना और नगरपालिका बांडों को प्रोत्साहित करना।
- **शहरी स्थानीय निकायों की क्षमता सुटूँड़ीकरण:** शहरी स्थानीय निकायों की संस्थागत और तकनीकी क्षमता निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय रोडमैप विकसित करना।
- **योजना सुधार:** नगर जल कार्य योजनाओं (सीडब्ल्यूएपी) की 100% प्रस्तुति सुनिश्चित करना और अगले 25-30 वर्षों के लिए शहरी जल मांग के दीर्घकालिक राष्ट्रीय अनुमान तैयार करना।
- **नीति अभिसरण:** केंद्रीय शहरी और जल-संबंधी योजनाओं में अभिसरण लागू करना।
- **अपशिष्ट जल पर ध्यान केंद्रित करना:** एक राष्ट्रीय शहरी अपशिष्ट जल पुनः उपयोग नीति तैयार करना और अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग क्षमता बढ़ाना।
- **दक्षता उपाय:** राष्ट्रीय अपशिष्ट जल (एनआरडब्ल्यू) में कमी के लिए प्रोत्साहन लागू करना और स्मार्ट जल मीटरिंग को गति देना।

स्रोत: [हिंदुस्तान टाइम्स](#)

## तमिलनाडु की समुदाय-आधारित एमआरवी (CbMRV) पहल

### संदर्भ

तमिलनाडु अपनी समुदाय-आधारित निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन(CbMRV) पहल के माध्यम से समुदाय के नेतृत्व वाले जलवायु शासन के एक राष्ट्रीय और वैधिक उदाहरण के रूप में उभरा है।

### CbMRV पहल क्या है?

- **CbMRV(सामुदायिक-आधारित निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन)** एक ग्राम-नेतृत्व वाली प्रणाली है जो समुदायों को विज्ञान-योग्य पर्यावरणीय और जलवायु डेटा उत्पन्न करने, प्रबंधित करने और उपयोग करने में सक्षम बनाती है।
- **लॉन्च:** तमिलनाडु में UK PACT कार्यक्रम के तहत 2023 में शुरू किया गया।
- **पायलट परिदृश्य:**
  - अराकोड (नीलगिरी): पहाड़ी वन और आदिवासी आजीविका
  - वेलोड (इरोड): कृषि और आन्द्रभूमि
  - कल्लै (कुड्डालोर): मैंग्रोव और तटीय मत्स्य पालन
- **डेटा कवर किया गया:** वर्षा, तापमान, मिट्टी और जल स्वास्थ्य, जैव विविधता, मछली पकड़ना, फसल पैटर्न, आजीविका, कार्बन स्टॉक और उत्सर्जन।
- **डिजिटल एकीकरण:** सामुदायिक डेटा को गांव, जिला और राज्य स्तर पर उपयोग किए जाने वाले डिजिटल डैशबोर्ड में फीड किया जाता है।

### पर्यावरण और जलवायु शासन में समुदायों की भूमिका -

- **जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले:** स्वदेशी लोग और स्थानीय समुदाय वर्षा की परिवर्तनशीलता, खारे पानी की घुसपैठ, वन स्वास्थ्य और जैव विविधता के नुकसान जैसे सूक्ष्म-पारिस्थितिक पैमानों पर जलवायु प्रभावों को सबसे पहले देखते हैं।
- **पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान के संरक्षक:** समुदायों के पास पीढ़ीगत ज्ञान होता है जो वैज्ञानिक डेटा का पूरक है और जलवायु संकेतकों की प्रासंगिकता में सुधार करता है।
- **अनुकूलन के अग्रिम पंक्ति के कार्यान्वयनकर्ता:** स्थानीय समुदाय स्थायी कृषि, मत्स्य प्रबंधन, वन संरक्षण और जल प्रबंधन के केंद्र में हैं।
- **लोकतांत्रिक जलवायु शासन:** सामुदायिक भागीदारी नीचे की ओर जवाबदेही, समान जलवायु वित्त पहुंच और स्थानीय रूप से उपयुक्त समाधान सुनिश्चित करती है।
- **बढ़ी हुई निगरानी और पारदर्शिता:** समुदाय के नेतृत्व वाला डेटा रिमोट सेंसिंग और प्रशासनिक डेटासेट में जमीनी सच्चाई जोड़कर MRV विश्वसनीयता को मजबूत करता है।

### CBMRV एक सर्वश्रेष्ठ-अभ्यास मॉडल क्यों है?

- **बॉटम-अप जलवायु बुद्धिमत्ता:** स्थानीय अवलोकनों को औपचारिक जलवायु डेटा में परिवर्तित करता है, जिससे टॉप-डाउन और रिमोट सेंसिंग दृष्टिकोणों पर अत्यधिक निर्भरता को दूर किया जा सकता है।
- **विज्ञान-परंपरा एकीकरण:** वैज्ञानिक निगरानी प्रोटोकॉल के साथ पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान को मिश्रित करता है, डेटा गुणवत्ता और वैधता में सुधार करता है।
- **संस्थागत प्रासंगिकता:** ग्राम पंचायत विकास योजनाओं, जलवायु अनुकूल ग्राम कार्यक्रमों, वाटरशेड योजना, आपदा तैयारी और राज्य जलवायु नीतियों का समर्थन करता है।

- **जलवायु वित्त तत्परता:** ग्राम-स्तरीय एमआरवी और कार्बन व्यवहार्यता अध्ययन समुदाय-केंद्रित कार्बन और अनुकूलन परियोजनाओं को सक्षम बनाते हैं, जिससे जलवायु वित्त को अनलॉक करने में मदद मिलती है।
- **क्षमता निर्माण:** प्रशिक्षित जलवायु प्रबंधकों के रूप में 35 प्रमुख सामुदायिक हितधारकों (केसीएस) का निर्माण निरंतरता और स्थानीय नेतृत्व सुनिश्चित करता है।
- **स्केलेबल और प्रतिकृति:** आईटीआई, सामुदायिक कॉलेजों, पंचायत प्रशिक्षण केंद्रों और राज्य कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से दीर्घकालिक संस्थागतकरण के लिए डिज़ाइन किया गया।
- **न्यायसंगत परिवर्तन उन्मुख:** यह शक्ति और संसाधनों को अग्रिम पंक्ति के समुदायों की ओर स्थानांतरित करता है, जलवायु कार्बवाई को समानता और आजीविका के साथ संरेखित करता है।



## प्रारंभिक परीक्षा

### चक्रशिला वन्यजीव अभ्यारण्य

#### संदर्भ

चक्रशिला वन्यजीव अभ्यारण्य में समुदाय के नेतृत्व में किए गए संरक्षण प्रयासों से जंगली मधुमक्खियों की कॉलोनियों को सफलतापूर्वक पुनर्स्थापित किया गया है और संबंधित वन्यजीवों का पुनरुद्धार हुआ है।

#### चक्रशिला वन्यजीव अभ्यारण्य के बारे में -

- अवस्थिति:** असम के कोकाराझार और धुबरी जिले।
- स्थापना:** 1994 में; क्षेत्रीय जैव विविधता की रक्षा के लिए एक वन्यजीव अभ्यारण्य घोषित किया गया।
- भूदृश्य:** वनों से ढकी पहाड़ियों (चक्रशिला पहाड़ी) से घिरा हुआ, मैदानों और आर्द्धभूमि से घिरा हुआ।
- वनस्पति:** साल, सागौन, बांस, बेंत और विविध औषधीय पौधों।
- जीव:** रीसस मकाक, कैप्ड लंगूर, तेंदुआ, सिवेट, हिरण, साही, गोल्डन लंगूर (भारत का एकमात्र अभ्यारण्य विशेष रूप से इसकी सुरक्षा के लिए अधिसूचित किया गया है)।

स्रोत: [सेटिनल असम](#)

### केंद्रीय सूचना आयोग

#### संदर्भ

राष्ट्रपति द्वारा मुर्मू ने आठ नए सूचना आयुक्तों के साथ राज कुमार गोयल को मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में पद की शपथ दिलाई।

#### केंद्रीय सूचना आयोग के बारे में -

- स्थापना:** सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत गठित।
- प्रकृति:** यह एक वैधानिक निकाय है, संवैधानिक नहीं।
- मुख्यालय:** नई दिल्ली।
- संरचना:** इसमें मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) और अधिकतम 10 सूचना आयुक्त शामिल हैं।
- नियुक्ति:** भारत के राष्ट्रपति द्वारा एक समिति (प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री

द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्रिमंडल मंत्री) की सिफारिश पर की जाती है।

- कार्यकाल:** आयुक्त 3 साल के लिए पद धारण करते हैं (2019 संशोधन के अनुसार)।
- कार्य:** आयोग सूचना अधिकार के अंतर्गत अपीलों और शिकायतों की सुनवाई करता है, जिससे सार्वजनिक प्राधिकरणों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।
- शक्तियां:** सिविल न्यायालय के समकक्ष – दस्तावेज़ तलब कर सकता है, जांच का आदेश दे सकता है और सूचना न देने पर अधिकारियों पर जुर्माना लगा सकता है।
- सीमाएं:** जुर्माने से परे अनुपालन लागू नहीं कर सकता; मामलों के लंबित होने के कारण निर्णयों में कभी-कभी देरी हो सकती है।

स्रोत: [पीआईबी](#)

### दंडामी माडिया जनजाति

#### संदर्भ

दंडामी माडिया (जिसे मारिया भी कहा जाता है) लोगों ने लंबे समय से दक्षिणी छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार दिया है।

#### दंडामी माडिया जनजाति के बारे में -

- उन्हें माडिया गोंड भी कहा जाता है,** जो एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) है जो बड़ी गोंड जनजाति से संबंधित है।
- भौगोलिक वितरण:** यह जनजाति मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों के बन और पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करती हैं, जिनका विस्तार महाराष्ट्र (गढ़चिरौली) और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में है।
- भाषा:** वे द्रविड़ भाषा मडिया बोलते हैं, और गोंडी तथा क्षेत्रीय भाषाओं का भी उपयोग करते हैं।
- आजीविका:** पारंपरिक रूप से स्थानांतरण खेती (पोड़ा), शिकार-एकत्रीकरण, लघु बन उपज और छोटे पैमाने पर कृषि पर निर्भर है।
- सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन:** समाज की आधारित है, जिसमें मजबूत सामुदायिक बंधन, विशिष्ट

लोक नृत्य (जैसे दंडामी नृत्य), अनुष्ठान प्रथाएं और प्रकृति पूजा है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

### राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

संदर्भ

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2025 (14 दिसंबर) पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2025 प्रदान किए।

**राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों के बारे में -**

- आरंभ: 1991
- पहल: ऊर्जा दक्षता व्यूरो (बीईई)
- उद्देश्य: उत्पादकता को बनाए रखते हुए या बढ़ाते हुए ऊर्जा खपत को कम करने में उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देना।
- शामिल क्षेत्र: उद्योग, वाणिज्यिक भवन, परिवहन, संस्थान और ऊर्जा-कुशल उपकरण।

स्रोत: [हिंदुस्तान टाइम्स](#)

### 'पोंडुरु खादी' को जीआई टैग मिला

संदर्भ

पोंडुरु खादी (आंध्र प्रदेश) को भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री से भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त हुआ है।

**पोंडुरु खादी के बारे में -**

- यह आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के पोंडुरु गांव में उत्पादित एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ सूती कपड़ा है, जिसे स्थानीय रूप से पतनुलु के नाम से जाना जाता है।
- प्रमुख विशेषताएं:
  - श्रीकाकुलम क्षेत्र में पाई जाने वाली पहाड़ी कपास, पुनासा कपास और लाल कपास जैसी स्वदेशी किस्मों से निर्मित।
  - कपास की सफाई से लेकर कताई और बुनाई तक की पूरी प्रक्रिया हाथ से की जाती है, जिससे सदियों पुरानी कारीगरी को संरक्षण मिलता है।
  - कपास की सफाई वलुगा मछली के जबड़े की हड्डी का उपयोग करके की

जाती है, जो एक विश्व स्तर पर अनूठी तकनीक है और केवल पॉंडुरु में ही प्रचलित है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

### महाक्राइमओएस एआई

**(MahaCrimeOS AI)**

संदर्भ

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने महाराष्ट्र पुलिस के लिए महाक्राइमओएस एआई लॉन्च किया।

**महाक्राइमओएस एआई के बारे में -**

- महाराष्ट्र का राज्यव्यापी एआई-संचालित अपराध जांच प्लेटफॉर्म माइक्रोसॉफ्ट फाउंड्री का उपयोग करके विकसित किया गया है।
- उद्देश्य: साइबर अपराध की जांच में तेजी लाना, नियमित कार्यों को स्वचालित करना, जटिल डेटा का विश्लेषण करना और संरचित जांच वर्कफ्लो के साथ अधिकारियों का समर्थन करना।
- इसे CyberEye(माइक्रोसॉफ्ट पार्टनर आईएसवी), महाराष्ट्र सरकार की मार्वल पहल और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर (आईडीसी) द्वारा विकसित किया गया है।
- प्रौद्योगिकी: Microsoft Azure OpenAI सेवा द्वारा संचालित मल्टीमॉडल AI के साथ पीडीएफ, ऑडियो, हस्तलिखित नोट्स, छवियों और बहुभाषी इनपुट को संसाधित करने में सक्षम है।
- अपराध कवरेज: चार श्रेणियों पर ध्यान केंद्रित करता है- साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नशीले पदार्थी।
- प्रमुख क्षमताएं:
  - यह प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित करता है और मामलों और लंबित कार्रवाइयों का वास्तविक समय का डैशबोर्ड प्रदान करता है।
  - यह मराठी एफआईआर पढ़ता है और महाराष्ट्र पुलिस प्रोटोकॉल और सुप्रीम कोर्ट/हाई कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुरूप चरण-दर-चरण जांच योजना स्वतः तैयार करता है।

- यह दूसंचार और डिजिटल डेटा का विश्लेषण करता है और अदालत में प्रस्तुत करने योग्य केस डायरी तैयार करता है।

स्रोत: [इंडियन एक्सप्रेस](#)

### एकता अभ्यास

#### संदर्भ

एकता अभ्यास का 2025 का संस्करण मालदीव में आयोजित किया गया था।

#### एकता अभ्यास के बारे में -

- **प्रकृति:** यह भारतीय नौसेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (MNDF) के बीच एक वार्षिक द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास है
- **शुरुआत:** 2017 में
- **उद्देश्य:** समुद्र में नौसैनिक सहयोग और पारस्परिकता को मजबूत करना।

स्रोत: [पीआईबी](#)

### शांति विधेयक 2025

#### संदर्भ

केंद्र सरकार ने परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी है, जिसे भारत के परिवर्तन के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास (SHANTI) विधेयक के रूप में भी जाना जाता है।

#### शांति विधेयक 2025 के प्रमुख प्रावधान -

- **निजी क्षेत्र का प्रवेश:** भारतीय और विदेशी निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने, संचालित करने और चलाने की अनुमति देता है, जिससे सरकारी एकाधिकार समाप्त हो जाता है।

- **कानूनों का प्रतिस्थापन:** परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 की जगह लेता है और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व (सीएलएनडी) अधिनियम, 2010 को संशोधित करता है।
- **संशोधित परमाणु देयता व्यवस्था:** एक व्यावहारिक नागरिक दायित्व ढांचा पेश करता है, संयंत्र के आकार के आधार पर ऑपरेटर देयता को सीमित करता है और अधिकतम दंड (गंभीर उल्लंघनों के लिए भी ₹1 करोड़ तक) को सीमित करता है।
- **आपूर्तिकर्ता देयता कमजोर पड़ना:** उन परिस्थितियों को प्रतिबंधित करता है जिनके तहत परमाणु ऑपरेटर दुर्घटनाओं के मामले में उपकरण आपूर्तिकर्ताओं से मुआवजे की मांग कर सकते हैं।
- **विनियामक सुदृढ़ीकरण:** परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (ईआरबी) को वैधानिक दर्जा प्रदान करता है और सुरक्षा, सुरक्षा, सुरक्षा उपायों, गुणवत्ता आश्वासन और आपातकालीन तैयारी तंत्र को मजबूत करता है।
- **क्षमता विस्तार लक्ष्य:** स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का समर्थन करते हुए 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को ~8.8 गीगावॉट से 100 गीगावॉट तक बढ़ाने का लक्ष्य है।
- **प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना:** छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) और अनुकूलित 220 मेगावाट के दबाव वाले भारी पानी रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) के विकास का समर्थन करता है।
- **जलवायु संरेखण:** भारत के 2070 शुद्ध-शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने में परमाणु ऊर्जा को एक प्रमुख संभ के रूप में स्थापित करता है।
- **नवाचार सुविधा:** परमाणु प्रौद्योगिकी में बड़े पैमाने पर नवाचार और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए पेंट और नियामक प्रावधानों को संरेखित करता है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

## समाचार में स्थान

### बोंडी बीच



समाचार? ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच पर हुए आतंकी हमले में 12 लोगों की मौत हो गई है।  
**बोंडी बीच के बारे में -**

- यह एक शहरी समुद्र तट है।
- ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी भाग में स्थित है।
- अर्धचंद्राकार तटरेखा और मजबूत सर्फ स्थितियों के लिए जाना जाता है।

स्रोत: [टीओआई](#)



## समाचार में व्यक्तित्व

### पेरुम्बिदुगु मुथैयार II



**समाचार?** उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन द्वारा राजा पेरुम्बिदुगु मुथैयार द्वितीय (सुवर्ण मारन) के सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया गया।

**पेरुम्बिदुगु मुथैयार द्वितीय (705-745 ई.) के बारे में -**

- उन्हें सुवर्ण मारन या शत्रुभयंकर के नाम से भी जाना जाता था।
- वह मुथैयार राजवंश से संबंधित थे, जो प्रारंभिक मध्ययुगीन दक्षिण भारत में पल्लव साम्राज्य के शक्तिशाली सामंत थे।
- उनके डोमेन में मध्य तमिलनाडु शामिल थे, जिसमें वर्तमान तंजावुर, तिरुचिरापल्ली, पुतुकोट्टई, पेरम्पलूर और कावेरी बेसिन के क्षेत्र शामिल थे।
- तिरुचिरापल्ली ने उनके शासनकाल के दौरान एक प्रमुख राजनीतिक केंद्र के रूप में कार्य किया।
- एक बहादुर सैन्य नेता के रूप में जाने जाने वाले, उन्होंने कई अभियानों में पल्लव राजा नंदिवर्मन द्वितीय के साथ लड़ाई लड़ी।
- शैव धर्म के एक मजबूत संरक्षक, जबकि जैन और बौद्ध विद्वानों के साथ दार्शनिक बहस की भी अनुमति देते हैं।
- जैन भिक्षु विमलचंद्र को उनके दरबार में जाने के रूप में दर्ज किया गया है, जो धार्मिक बहुलवाद और बौद्धिक जुड़ाव का संकेत देता है।
- मुथैयार उल्लेखनीय मंदिर निर्माता थे, विशेष रूप से चट्टानों को काटकर बनाए गए गुफा मंदिरों और प्रारंभिक संरचनात्मक पत्थर के मंदिरों के।

स्रोत: [इंडियन एक्सप्रेस](#)